गर्ल-फ्रेण्ड की चूत चुदाई की अभिलाषा

“मैं क्लास 12 का स्टूडेंट था.. कंप्यूटर कोचिंग में रीमा नाम की लड़की को मैं पसंद करता था, वो भी मुझे चाहती थी. मैंने उसे एक दिन प्रपोज किया.. तो उसने एक्सेप्ट कर लिया.. तीन महीने तक मैं उससे मिलता जुलता रहा लेकिन सेक्स के बारे में कोई बात नहीं की.. ना ही करना चाहता था। एक दिन वो मेरे पास आई.. कहने लगी- रचित.. तुमने कभी सेक्स किया है ? ...”

Story By: रचित वर्मा (rachitverma)
Posted: Tuesday, October 27th, 2015
Categories: पहली बार चुदाई
Online version: गर्ल-फ्रेण्ड की चूत चुदाई की अभिलाषा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गर्ल-फ्रेण्ड की चूत चुदाई की अभिलाषा

दोस्तो.. आप सभी को नमस्ते.. मैं अन्तर्वासना का नया पाठक हूँ.. आज मैं अपनी जिंदगी की सच्चाई आप सभी के सामने पेश करने जा रहा हूँ। मेरा नाम रचित है.. मैं 19 साल का लड़का हूँ.. मेरा लंड का साइज़ 6.5 इंच का है 2.5 इंच मोटा है.. मेरा कद 5’8″ है.. मैं एक दुबला-पतला लड़का हूँ.. लेकिन मैं एक सेक्सी लड़का हूँ। ये मैं नहीं कहता.. मेरे सारे फ्रेंड्स कहते हैं।

जिस वक्त की यह घटना है उस समय मैं क्लास 12 का स्टूडेंट था.. अब मैं बीएससी कर रहा हूँ। उस समय मैं कंप्यूटर कोचिंग करता था.. तो मेरे साथ तीन लड़कियाँ कंप्यूटर सीखती थीं। उनमें एक रीमा नाम की लड़की थी.. मैं उसे पसंद करता था और वो भी मुझे चाहती थी।

मैंने उसे एक दिन प्रपोज किया.. तो उसने एक्सेप्ट कर लिया.. तीन महीने तक मैं उससे मिलता जुलता रहा लेकिन सेक्स के बारे में कोई बात नहीं की.. ना ही करना चाहता था।
एक दिन वो मेरे पास आई.. कहने लगी- रचित.. तुमने कभी सेक्स किया है ?

तो मैंने उसे सच बता दिया- मैंने कभी सेक्स नहीं किया.. अगर तुम करना चाहो.. तो मैं तुम्हारे साथ सेक्स कर सकता हूँ।
वो मना करने लगी.. बात आई गई हो गई।
उस दिन मुझे पूरी रात नींद नहीं आई और मैं यही सोचता रहा कि उसने ये क्यों पूछा।
फिर मेरी उससे 3-4 दिन कोई बात नहीं हुई।

एक दिन मेरे पास उसका कॉल आया- रचित.. मैं तुमसे मिलना चाहती हूँ।
मैंने ‘हाँ’ कह दिया और हमारे मिलने की बात पक्की हो गई।

उसने मुझे मिलने अपने घर पर बुलाया और मेरे साथ बहुत बातें की।

उसी दिन किस्मत से मेरे डैड और मॉम कानपुर गए थे। उससे उसके घर पर मिलने के बाद मैंने उससे मेरे घर के खाली होने की बात कही और चलने को कहा.. तो वो मेरे घर आई और मेरे पास बैठ गई।
आँखों ही आँखों में दोनों तरफ बात कुछ जमने लगी थी.. चुदास भी दोनों को लगी थी पर शुरूआत होने में थोड़ी हिचक बाक़ी थी।

मैं उससे बातें करने लगा.. मेरा सिर दर्द कर रहा था.. थोड़ी देर बाद मैं अपने कमरे में जाकर अपने बिस्तर पर लेट गया, उसको भी मैंने अपने बेडरूम में ही बुला लिया।
मैंने उससे कहा- थोड़ा मेरे सिर में बाम लगा दोगी ?

तो उसने हाँ कह दिया। वो बाम लगाते-लगाते कभी अपने मम्मों को मेरे मुँह पर रख देती.. कभी मेरे सीने पर गड़ा देती। उसकी इन हरकतों से मैं गर्म हो गया.. मेरा लंड अपने उफान पर आ गया।
उसने जीन्स टॉप पहना हुआ था और मैं बनियान और लोवर में था। मेरा लंड खड़ा था तो वो साफ़ दिखाई दे रहा था।

उसने मेरे लंड को देखा और देखे जा रही थी। मैंने उससे पूछ लिया- क्या देख रही हो ?
तो उसने कहा- यह तुम्हारे लोवर के अन्दर बड़ा सा क्या उठा हुआ है ?
वो जानबूझ कर अनजान बन रही थी जैसे वो लौड़े के बारे में कुछ जानती ही नहीं हो…
मैंने बताया- कुछ नहीं..

तो उसने जिद पकड़ ली.. और कहा- दिखाओ ना.. वो बच्चों जैसे ज़िद करने लगी।
फिर उसने मेरे लंड को पकड़ा और सहलाने लगी।
मेरा लोवर और अंडरवियर हटा दी।

मैं उसके सामने नंगा हो गया और वो मेरे लंड को पकड़ कर कहने लगी- इतना बड़ा ?
मैंने कहा- बड़ा है.. तो बड़ा ही होगा ना..

फिर उसने मेरे होंठों को चूमना शुरू कर दिया। मैंने भी उसे किस करना शुरू कर दिया। मैं नंगा ही था.. वो मेरे ऊपर लेट गई और मेरे लंड को सहलाने लगी।
मेरे पूरे शरीर में 11000 वोल्ट का करेंट दौड़ गया। फिर वो भी गर्म हो चुकी थी वो मुझे पागलों की तरह चुम्मियाँ लिए जा रही थी।
मैंने भी उसे खूब चूमा.. फिर मैंने अपनी हरकतों को बढ़ाया और उसके टॉप में हाथ डाल दिया।

मैंने उसका टॉप उतार दिया और जींस के बटन खोल कर उसे भी निकाल दिया।
अब वो मेरे सामने ब्रा और पैन्टी में आ गई थी। वो क्या गजब की माल लग रही थी उसका फ़िगर 32-30-32 था.. उसके एक मम्मे को मैंने अपने मुँह से चूसना शुरू कर दिया और साथ ही मैं दूसरे मम्मे को एक हाथ से मसल रहा था।

उसके मुँह से मादक आवाजें आ रही थीं- उउइ.. आआआहह.. ससी..ई.. उसकी कामुक आवाजों से मेरा कमरा गूँज उठा।
मैं उसे तड़पा रहा था फिर मैंने उसकी बिना बाल वाली चूत में उंगली करना शुरू कर दिया।
वो मजे से कराहने लगी- उउउईए.. माँ.. सस्सस्स..

उसकी कामुक आवाजें निकलने लगीं मैंने अपनी उंगली से उसकी चूत की चुदाई करना शुरू कर दिया।
करीब 2-3 मिनट में ही वो झड़ गई और मेरा हाथ उसके पानी से गीला हो गया।
मैंने उसे किस करना शुरू कर दिया.. उसके होंठ बहुत गर्म थे.. अब उसने कहा- तुम मेरी चूत को चाटो ना..

फिर हम 69 की अवस्था में आ गए और मैं उसकी चूत को मजे से चाटे जा रहा था। मैंने उसकी चूत में अपनी जीभ डाल दी और जीभ से ही उसकी चूत को चोदे जा रहा था।
वो मेरे लंड को चूस रही थी.. मैं उसकी चूत को चाट रहा था। वो मेरे लंड को चूसते समय अचानक उत्तेजित हो उठी और उसने मेरे लंड में अपने दाँत गड़ा दिए.. और ज़ोर से झड़ गई।

उसका सारा पानी में पी गया.. क्या नमकीन पानी था.. मजा आ गया।

फिर मैं उसकी चूत को अपनी जीभ से चोदने लगा.. उसकी पूरी चूत गीली हो चुकी थी। मैं भी अब झड़ने वाला था।
मैंने मुख चुदाई की मुद्रा में आकर उसके मुँह में अपना लंड ज़ोर से दबा दिया और झड़ गया। मेरा बहुत सारा माल निकला और वो सारा पी गई।

अब उसकी चूत चोदने की बारी थी। हमने अपनी अवस्था बदली और मैंने उसकी टांगे फैला दीं और अपने लंड का सुपारा उसकी चूत के छोटे से छेद पर रख दिया और एक ज़ोरदार धक्का लगा दिया। पर मेरा लंड फिसल गया और वो हँसने लगी। मैं जिंदगी में पहली बार चूत से भिड़ रहा था।

फिर उसने मेरा लंड पकड़ा और अपनी चूत के छेद पर रखा और कहने लगी- अब धक्का लगाओ..
मैंने धक्का लगाया.. मेरा लंड उसकी चूत में आधे से कम ही घुस पाया था कि वो ज़ोर से चिल्लाई- हे भगवान.. मर गई.. आज तो इसने मेरी चूत फाड़ डाली..

फिर मुझे कुछ गीला सा लगा.. तो मैंने देखा कि उसकी चूत से खून आ रहा है।
उसने लगभग रोते हुए कहा- मेरी चूत में जलन हो रही है.. अपना लंड निकालो.. नहीं तो मैं मर जाऊँगी।

मैंने कहा- थोड़ी देर रूको.. फिर तुम्हें मजा आने लगेगा।

मैं उसके ऊपर लेट गया और उसे किस करने लगा.. कुछ देर बाद उसे आराम महसूस हुआ। फिर मैंने धक्का लगाने शुरू किए। मेरा लंड उसकी चूत में पूरा घुस गया और उसकी आँखों से आंसू आ गए।

मुझे तो आज लग रहा था कि मैं जन्नत में हूँ.. मैं उसके मम्मों को जोर से दबाए जा रहा था और खूब मसल रहा था।

थोड़ी देर के बाद उसे भी मज़ा आने लगा.. वो भी अपनी गाण्ड उछाल कर मेरा साथ देने लगी। वो मजे से सीत्कार करने लगी थी.. मैं अब अपना लंड अन्दर-बाहर करने लगा।

फिर मैंने अपनी स्पीड बढ़ा दी और कुछ ही मिनटों के बाद वो ज़ोर से अकड़ती हुई झड़ गई.. उसकी चूत से पानी निकलने लगा।
अब मुझे अपना लंड अन्दर-बाहर करने में कोई परेशानी नहीं हो रही थी। पूरा कमरा ‘फुच्च.. फुच्च..’ की आवाजों से गूँज उठा।
मैं उसे काफ़ी देर तक पूरे जोश में चोदता रहा।

वो फिर से गरम हो उठी और कहने लगी- और तेज़ और तेज़ से चोदो.. जानू..।
मुझे भी जोश आ गया.. मैं बहुत तेज़ी से चोदने लगा।

अब मेरे झड़ने की बारी आ गई.. मैं और तेज़ गति से चोदने लगा, मैंने कहा- जानू.. अब मैं झड़ने वाला हूँ किधर छोड़ूँ ?
तो उसने कहा- मेरी चूत में ही छोड़ दो..
मेरे लंड से पिचकारियाँ निकलना शुरू हो गईं, उसकी चूत मेरे माल से भर गई और उसकी गाण्ड के रास्ते से बिस्तर पर गिरने लगी। मेरा लंड झड़ने बाद उसकी चूत में लंड पड़ा

हुआ सिकुड़ने लगा।

मैं उसी के ऊपर लेट गया। फिर उसने मुझे किस करना शुरू कर दिया।
उसने कहा- जानू.. आज तुमने मुझे जन्नत की सैर कराई है।
मैंने उसे माथे पर एक चुम्मी ली।
उसने कहा- आई लव यू..
मेरा लंड उसके 'आई लव यू..' बोलने से पहले ही उसकी चूत के ऊपर फिर खड़ा हो गया।
फ़िर मैंने उस दिन उसकी 5 बार चुदाई की।

तो दोस्तों यह थी मेरी सच्ची कहानी। आपको अच्छी लगी होगी.. मुझे ईमेल जरूर कीजिएगा।
rachitv72@gmail.com